क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	30/12	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब आज अवकाश पर होने से पत्रावली पूर्वानुसार दि0 6/1/23 को पेश हो।
	6/1/23	पत्रावली पेश हुई। वकील [illegible] जवाब [illegible] पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 20/1/23 को पेश हो।
प्रतिलिपि [illegible] 06.01.23		
	20/1/23	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 9/2/23 को पेश हो।
प्रतिलिपि [illegible] 6/1/2023		
	9/2/23	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। प्रार्थी ने अपना मुक्त वाद विड्रा का किया है चूंकि वादी का मुक्त वाद विड्रा हो चुका है। प्रार्थी इस प्रार्थना पत्र को विड्रा करना चाहता है अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र विड्रा किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद तकमील [illegible] वाद के साथ संलग्न [illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Ekta Karnani
Date: 2023.06.06 13:54:52 IST
Reason: SelfAttested